ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

वर्धा में 'डॉ. बी. आर. अंबेडकर का मानवविज्ञान में योगदान' तथा 'देशज शिक्षा' पर 29 से 31 तक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, हिंदी विवि का आयोजन, देश-विदेश के विद्वान करेंगे शिरकत

वर्धा दि. 27 मार्च 2012: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में आगामी 29, 30 एवं 31 मार्च को 'डॉ. बी. आर. अंबेडकर का मानवविज्ञान में योगदान' तथा 'देशज शिक्षा' इन दो विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विवि में स्थापित डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र, डॉ. आंबेडकर अध्ययन केंद्र, डॉ. जाकिर हुसैन अध्ययन केंद्र तथा नेहरू अध्ययन केंद्र एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में देश-विदेश के विद्वान सहभागिता करेंगे।

संगोष्ठी के आयोजन के बारे में डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एम. एल. कासारे ने बताया कि डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने सन 1916 में कोलंबिया विश्वविद्यालय में मानवविज्ञान विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अपना पहला शोध पत्र प्रस्तुत किया था, उसका शीर्षक था– कास्ट इन इंडिया : देअर मेकानिज्म, जेनेसिस एण्ड डेवेलपमेंट'। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य मानवविज्ञान में डॉ. बी. आर. अंबेडकर के योगदान पर विमर्श करना है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र तथा समाजशास्त्र के योगदान के बारे में हम परिचित हैं किंतु मानवविज्ञान में उनके योगदान के बारे में कुछ ही लोगों को पता है। डॉ. अंबेडकर के इन पहलुओं पर प्रकाश ड़ालने के लिए इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश एवं विदेशों से विद्वानों को निमंत्रित किया गया है।

इस त्रि-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. एस. एन. बुसी, हैदराबाद, डॉ. श्रीनिवास खांदेवाले, न्यायमूर्ति चंद्रशेखर धर्माधिकारी, डॉ. रेशमी रामधोनी, मॉरिशस, डॉ. कविता वाचक्नवी, लंदन, डॉ. हिरामन, मॉरिशस, प्रो. बेला भट्टाचार्य, कोलकाता, प्रो. विमलेंद्र कुमार, बीएचयू, प्रो. जोसेफ बारा, जेएनयू, डॉ. प्रवीण कुमार, दिल्ली, डॉ. अंगराज चौधरी, विपश्यना केंद्र, इगतपुरी, डॉ. आशुतोष, सागर, डॉ. दहिवले, पुणे, डॉ. जे. राघवेंद्र राय, हैदराबाद, डॉ. एच.

एस. वर्मा, लखनऊ, डॉ. हितेंद्र पटेल, कोलकाता, गांधी विचार परिषद, वर्धा के निदेशक भरत महोदय आदि वक्ता प्रमुखता से शिरकत करेंगे। यह संगोष्ठी विवि के हबीब तनवीर सभागार में सम्पन्न होगी।

'डॉ. बी. आर. अंबेडकर का मानवविज्ञान में योगदान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी का उदघाटन पूर्व आयुक्त प्रो. एस. एन. बुसी करेंगे तथा समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय करेंगे। इस अवसर सर सुविख्यात अर्थशास्त्री प्रो. श्रीनिवास खांदेवाले बीज वक्तव्य देंगे। 30 मार्च को 'देशज शिक्षा' पर आयोजित संगोष्ठी का उदघाटन अपराह्न 3.00 बजे न्यायमूर्ति चंद्रशेखर धर्माधिकारी के द्वारा किया जाएगा। कुलपति विभूति नारायण राय के मुख्य संरक्षण में तथा प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन के सह-संरक्षक में होने वाले इस आयोजन को सफल बनाने में कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. बी. एम. मुखर्जी की सलाहकार समिति एवं डॉ. निशीथ राय, डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, डॉ. मिथिलेश, विरेन्द्र प्रताप यादव, रवि शंकर सिंह, राम गोपाल मीना तथा लक्ष्मण प्रसाद आदि की संयोजन समिति प्रयासरत है।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी